No. of Printed Pages : 4

RSO-101

M.Phil. / Ph.D. IN SOCIOLOGY (MPHIL/PHDSOC)

Term-End Examination

00403 **December, 2018**

RSO-101 : SOCIOLOGICAL THOUGHT AND INDIAN SOCIAL REALITY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 50%)

Note : *Answer any* ***five*** *of the following questions. All questions carry equal marks.*

1. Discuss the relevance of Max Weber's work on 'Protestant Ethic' in understanding the development of capitalism in Indian society. *20*

2. Explain the agrarian social structure of contemporary Indian society. *20*

3. Provide a sociological explanation of farmers suicide in contemporary India. *20*

4. "Culture not only satisfies human need, it also conditions their lives." Discuss critically. *20*

5. "Social anti-movements represent the regressive dynamics of social movements." Comment with illustration. *20*

6. Examine the inter-relationship between caste, power and gender in contemporary India. *20*

7. Critically analyse the relationship between ethnicity and citizenship rights in contemporary India. *20*

8. Is there an interface between globalisation, migration and fluidity in identity ? Discuss. *20*

आर.एस.ओ.-101

समाजशास्त्र में एम.फिल./पी.एच.डी.
(एम.फिल./पी.एच.डी.एस.ओ.सी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

आर.एस.ओ.-101 : समाजशास्त्रीय चिंतन एवं भारतीय सामाजिक वास्तविकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(अधिभारिता : 50%)

नोट : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. मैक्स वेबर द्वारा रचित 'प्रोटेस्टैन्ट एथिक' की प्रासंगिकता की चर्चा, भारतीय समाज में पूँजीवाद के विकास को समझने के संबंध में कीजिए । *20*

2. समकालीन भारतीय समाज की कृषीय सामाजिक संरचना की व्याख्या कीजिए । *20*

3. समकालीन भारत में किसान आत्महत्या का समाजशास्त्रीय विवरण प्रदान कीजिए । *20*

4. "संस्कृति न सिर्फ मानव आवश्यकताओं की ही पूर्ति करती है, बल्कि इनके जीवन को भी अनुकूल परिवेश प्रदान करती है।" आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। *20*

5. "सामाजिक विरोधी आंदोलन, सामाजिक आंदोलनों की प्रतिगामी (regressive) गतिशीलता दर्शाते हैं।" उदाहरण देते हुए टिप्पणी कीजिए। *20*

6. समकालीन भारत में जाति, शक्ति और लैंगिक के अंत:संबंध की जाँच कीजिए। *20*

7. समकालीन भारत में नृजातीयता और नागरिकता अधिकारों के बीच के संबंध का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। *20*

8. क्या वैश्वीकरण, प्रवसन और अस्मिता में गतिशीलता के बीच कोई अंत:संबंध (इंटरफेस) है ? चर्चा कीजिए। *20*